I-Next, Page-06 → 26/08/2018

(1)

इंजीनियरिंग पढ़ने में खिलौने मददगार साबित होंगे

kanpur@inext.co.in

» आईआईटी कानपुर में दो दिवसीय वर्कशॉप शुरू, 450 छात्र जुटे, पूर्व आईआईटीयंस सिखा रहे इंजीनियरिंग पढ़ने का रोचक तरीका

KANPUR (25 Aug): आईआईटी जैसे देश के प्रीमियम इंस्टीट्यूशन में इंजीनियरिंग की पढ़ाई को रोचक बनाने के लिए शनिवार को कैंपस में दो दिवसीय वर्कशाप शुरू हुई. इस वर्कशॉप में इंजीनियरिंग को पढ़ने में स्टूडेंट्स की रुचि कैसे डेवलप हो, इस पर फोकस किया. अहम बात यह थी कि वर्कशाप के तीनो एक्सपर्ट आईआईटी के पूर्व छात्र हैं. आईआईटी के पूर्व छात्र एक्सपर्ट मनीष जैन ने बताया कि इंजीनियरिंग पढ़ने का सबसे रोचक तरीका हाथ से काम करने का है.

खिलौनों से स्टूडेंट्स मे सृजन

आईआईटीयन मनीष जैन, रवि सिन्हा व गौरव यादव आईआईटी गांधी नगर में सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग का संचालन कर रहे हैं. वर्कशाप मे पूर्व छात्रों ने थ्री ईडियट्स मूवी में चर्चित अनुभूति के बारे में चर्च कर वर्कशाप को और रोचक बना दिया. इस तरह की वर्कशाप का मुख्य मकसद यह होता है कि खिलौनों व माडल्स से स्टूडेंट्स के अंदर सृजन की प्रेरणा मिलती है. मनीष जैन ने कहा कि उन्हें इस काम को करने में आनंद की अनुभूति होती है. अपने शब्दों में

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

एक्सपर्ट्स ने डेमो देकर खिलौनों और इंजीनियरिंग का कनेक्शन समझाया.

दिन भर खेलना व वेतन पाना किस्मत वालों को ही नसीब होता है. वर्कशाप में आईआईटी के 450 स्टूडेंट्स खेल खिलौने व कहानियों में ऐसा रमे कि पूरे टाइम अपने मिशन में ही लगे रहें. इन स्टूडेंट्स को तीन ग्रुप में डिवाइड किया गया था. इस वर्कशाप में डीएसडब्लू प्रो. पी शनमुगराज, डीन स्टूडेंट अफेयर्स प्रो. जे रामकुमार, एसोसिएट प्रो. अचल रैना, विनोद मलिक, वीरेन्द्र सिंह मौजूद रहे.

Hindustan, Page-08

26/08/2018

आईआईटी के एल्युमिनाई ने की कार्यशाला, उपकरण देखकर सभी रह गए दंग

खेल-खेल में बना दी जेसीबी

दिखाई प्रतिभा

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

आईआईटी छात्रों ने शनिवार को खेल-खेल में जेसीबी, मैकेनिकल पूजा आर्म, ट्रैक्टर और अन्य भारी मशीनों के मॉडल बना दिए। छात्रों का हुनर व उनकी क्षमता देखकर कार्यक्रम आयोजित करने वाले पूर्व छात्र दंग रह गए।

कार्यशाला, मुम्बई, दिल्ली, गांधीनगर आईआईटी के छात्रों द्वारा संचालित सेंटर फॉर क्रेटिव लर्निंग के संयोजन में किया गया है। कार्यशाला में 450 छात्रों ने भागीदारी की। सभी छात्रों को तीन के गुट में विभाजित किया गया और उन्होंने विविध प्रकार के मॉडल्स बनाए - जेसीबी, आरती करने वाला मैकेनिकल आर्म, स्वचलित मेढक, साइन कर्व

शनिवार को आईआईटी में कार्यशाला में छात्रों ने तरह-तरह के मॉडल बनाए। • हिन्दुस्तान

बनाने वाली गाड़ी आदि। आयोजक छात्रों के मुताबिक थ्री इडियट्स की थीम पर इंजीनियरिंग छात्रों के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उनमें रोचकता का एहसास दिलाया जा सके। प्रो. शनमुगराज, डीन स्टूडेंट अफेयर्स, प्रोफेसर जे रामकुमार, एसोसिएट डीन, प्रोफेसर अचल रैना, डीन एकेडमिक, विनोद मलिक, छात्र मामलों के सहायक रजिस्ट्रार, वीरेंद्र सिंह, 4 आईलैब के तकनीकी अधीक्षक मौजूद रहे।

छात्रों ने बहाया पसीना

छात्रों ने दोपहर का भोजन नहीं करके पसीना बहाया। आईआईटी गांधीनगर के एल्युमिनाई नीरज और पंकज ने बताया कि गांधीनगर में एक केन्द्र चल रहा है। इसका उद्देश्य ऐसे खिलौने, मॉडल बनाना है, जो किसी उद्देश्य को पूरा करते हैं। आईआईटी के छात्र ऐसे कार्यों में आनंद और गर्व का अनुभव करते हैं। इसकी प्रेरणा कानपुर आईआईटी के एल्युमिनाई अरविंद गुप्ता को जाता है। छात्र मनीष जैन ने दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया। रवि सिन्हा आईआईटी दिल्ली व गौरव यादव आईआईटी बॉम्बे भी मौजूद थे।

(2) Amar Ujala, My City Page-05- 26/08/2018

आओ सीखें

आईआईटी में शुरू हुई इंजीनियरिंग को रोचक बनाने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला

खिलौने बनाकर सीखे इंजीनियरिंग के गुर

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। आईआईटी में शनिवार को नए छात्रों के लिए तनाव दूर करने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। छात्रों को बताया गया कि इंजीनियरिंग को रोचक बनाने के लिए खिलौनों का प्रयोग कर सकते हैं। आईआईटी कानपुर के 93 बैच के छात्र मनीष जैन ने छात्रों को स्ट्रेस मैनेजमेंट के टिप्स दिए।

कार्यशाला में मौजूद 450 छात्रों को तीन के गुट में विभाजित किया गया। उन्होंने विविध प्रकार के मॉडल्स बनाए। जिसमें जेसीबी, आरती करने वाला मशीनी हाथ, स्वचालित मेंढक । मनीष ने कहा आज छात्रों ने मशीनें बनाई हैं। कल वह गणित और विज्ञान से जुड़े हुए स्ट्रेक्चर, खिलौने, मॉडल्स तैयार करेंगे।

मनीष और उनके साथी रवि सिन्हा (आईआईटी दिल्ली), गौरव यादव (आईआईटी बॉम्बे), नीरज और पंकज, आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर क्रियेटिव लर्निंग (सीसीएल) का संचालन करते हैं। मॉडल आदि बनाने से छात्रों में क्रिएटिविटी आती है।कार्यशाला में प्रोफेसर शनमुगराज डीन स्टूडेंट अफेयर्स, प्रोफेसर जे रामकुमार एसोसिएट डीन, प्रोफेसर अचल रैना डीन अकादमिक मामले, विनोद मलिक छात्र मामलों के सहायक रजिस्ट्रार, वीरेंद्र सिंह, 4 आई लैब के तकनीकी अधीक्षक मौजूद रहे।

आईआईटी में हुई कार्यशाला में मॉडल बनाते छात्र। अमर उजाला

TOI, Page-02
26/08/2018

Spotlight on engg, Maths at IIT-K

TIMES NEWS NETWORK

Kanpur: A two-day engineering workshop 'Hands-On engineering and maths' for the fresh students began at IIT-Kanpur here on Saturday. The aim of the workshop is to make a hands-on approach to subjects like engineering, science and maths interesting joyful for students. Around 450 students attended the workshop. They were divided into groups of three. Each group made a mechanical arm which performs 'aarti', an automatic walking frog, a car that draws a sine curve among other machines. On the second day of the workshop, the students will be making things involving basic science and maths. An IIT-K alumnus, Manish Jain of 1993 (BTech EE) batch, organised the workshop.

Manish and his colleagues Ravi Sinha (IIT-Delhi), Gaurav Yadav (IIT-Bombay), Neeraj and Pankaj run Centre for Creative Learning (CCL) in IIT-Gandhinagar. The goal of the centre is to design cool models, activities and toys and to inspire children to learn conceptual understanding of science. Manish said, "I feel fortunate to be an adult who plays the whole day and gets paid for it."

AAJ - Page-04, 26/08/2018

खिलौनों-मॉडल्स से बतायें विज्ञान-गणित के प्रयोग

कानपुर, 25 अगस्त। आईआईटी कानपुर के सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में पूर्व छात्र मनीष जैन ने खेल-खिलौने के मध्यम से विज्ञान, गणित से जुड़े मॉडल्स बनाने और साइंस को छोटे-छोटे प्रयोगों से गूढ रहस्य के बारे में जानकारियां दी। आज छात्रों ने मशीनें बनाना सीखी और कल माडल्स बनायेंगे। साथ ही इंजीनियरिंग की पढाई का सबसे रोचक तरीका भी बतायेंगे। मनीष जैन, रवि सिन्हा, गौरव यादव, नीरज, पंकज की टीम ने आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर क्रेटिवे लर्निंग का संचालन करते हैं। इस केंद्र का उददेश्य मुख्य रूप से ऐसे खिलौने, माडल्स के जरिए विज्ञान और गणित के गूढ़ रहस्य को आसान तरीके से छात्र-छात्राओं को समझाना है। कार्यशाला में 450 छात्र खिलौने और कहानियों से मंत्रमुग्ध हो गये और सभी छात्रों को तीन वर्गों में बांटा गया। सभी टीम ने विभिन्न प्रकार के मॉडल्स बनायें।

Dainik Jagran, Page-07
26/08/2018

खिलौनों और कहानियों से सिखाई तकनीक

जास, कानपुर : आइआइटी प्रथम वर्ष के छात्रों को खिलौनों और कहानियों के माध्यम से तकनीक की जानकारी दी गई। यह आयोजन फोर आइ लैब में हुआ। छात्रों में पढ़ाई के बोझ को दूर कर मजेदार तरीके से शिक्षा देना था। पुरातन छात्र मनीष जैन ने रवि सिन्हा (आइआइटी दिल्ली), गौरव यादव (आइआइटी मुंबई), नीरज और पंकज (आइआइटी गांधीनगर) के संग मिलकर कार्यशाला का आयोजन किया। यह सभी मिलकर सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग का संचालन कर रहे हैं। कार्यशाला में 450 छात्र शामिल हुए। उन्हें तीन गुटों में विभाजित किया गया। प्रो. शनमुगराज, प्रो. जे रामकुमार, प्रो. अचला रैना समेत अन्य उपस्थित रहे।

(4)

Amar Ujala, My City, Page-No-05, 27/08/2018

आईआईटी गांधी नगर के मनीष जैन ने छात्र-छात्राओं को प्रैक्टिकल करके दिखाया।

प्रयोगात्मक ज्ञान दूर करेगा छात्र-छात्राओं का तनाव

आईआईटी में इंजीनियरिंग को रोचक बनाने के लिए चल रही कार्यशाला का समापन

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। आईआईटी में इंजीनियरिंग के प्रथम वर्ष के छात्रों का मानसिक तनाव दूर करने के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का रविवार का समापन हो गया। इंजीनियरिंग को रोचक बनाने के लिए आयोजित इस कार्यशाला में छात्र-छात्राओं ने प्रैक्टिकल के जरिये गणित और विज्ञान को समझा।

आईआईटी गांधीनगर में सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग (सीसीएल) का संचालन करने वाले मनीष जैन ने बताया कि बच्चों पर शुरुआत से ही नंबर लाने का दबाव बनने लगता है। बच्चों को विषय में रुचि नहीं होती है पर नंबर लाने के दबाव में उन्हें पढ़ना पड़ता है। इसकी वजह से बच्चे डिप्रेशन में भी चले जाते हैं। ऐसे में अगर बच्चों को प्रैक्टिकल के जरिये शुरुआत से ही सब कुछ बताया जाए तो उन्हें गणित और साइंस से डर नहीं लगेगा और न ही स्ट्रेस होगा। मनीष ने बताया भारत में ऐसा कोई भी सेंटर नहीं है जो बच्चों को प्रैक्टिकल और खिलौनों के जरिये गणित और विज्ञान पढ़ाए। आईआईटी के साथ पूरे भारत में ऐसे क्रिएटिव लर्निंग सेंटर खुलने चाहिए। अगर कोई सीखना चाहे तो आईआईटी गांधीनगर में हमारे सेंटर पर आकर सीख सकता है।

खीरे से बच्चों ने सीखा गणित

बच्चों ने खीरे से त्रिभुज, सर्किल, चतुर्भुज सहित रेखागणित की बारीकियों को समझा। इसके साथ ही बच्चों ने साइन वेब कार (लहरों को डिजाइन करने वाली), इलेक्ट्रिक मोटर के साथ भौतिक विज्ञान के कुछ बुनियादी सिद्धांतों के बारे में जानकारी हासिल की। बच्चों ने डंडियों और एल्युमीनियम की सहायता से स्ट्रक्चर बनाए। आईआईटी से बीटेक कर रहे विराज ने बताया कि कक्षा 8 में जब पहली बार त्रिकोणमिति पढ़ी थी तो वेव लाइन (लहरों) के बारे में नहीं पता था पर आज जब प्रैक्टिकल किया तो आसानी से समझ आया।

वीडियो से सीखें कठिन चीजों का समाधान

जो भी बच्चे खिलौनों और प्रैक्टिकल से गणित और विज्ञान सीखना चाहते हैं वे गूगल पर वेबसाइट iitgncli को सर्च कर सकते हैं। इस जाकर छात्र छोटे-छोटे वीडियो देखकर गणित-विज्ञान की कठिन चीजों को सरलता से समझ सकते हैं। आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र मनीष जैन और रवि सिन्हा (आईआईटी दिल्ली), गौरव यादव (आईआईटी बांबे) व अन्य साथी सेंटर फॉर क्रिएटिव लर्निंग का संचालन करते हैं।

Rashtriya Sahara, Page-No-07 - 27/08/2018

खेल-खेल में कराते हैं 'सृजन' व 'पाठ्यक्रम' का ज्ञान

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

आईआईटी कानपुर में आयोजित दो दिन की यह कार्यशाला इसलिए अनोखी थी कि यहां खेल-खेल में 'सृजन' के साथ ही 'पाठयक्रमों' का ज्ञान कराया गया। 'आमिर खान की 'थ्री इडिएट्स' फिल्म' से प्रेरित इस कार्यशाला के प्रतिभागी विद्यार्थियों ने मौके पर ही खिलौने व मॉडल्स आदि बनाकर सृजन का पाठ पढ़ा। साथ ही विद्यालय के पाठयक्रमों को भी सार्थक तरीके से उन्हें समझाया गया। कार्यशाला आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र (1993) मनीष जैन के संचालन में संपन्न हुआ। मनीष जैन व उनके साथी रवि सिन्हा (आईआईटी दिल्ली), गौरव यादव (आईआईटी बम्बई) तथा नीरज व पंकज आईआईटी गांधी नगर (गुजरात) में 'सेंटर फॉर क्रेटिव लर्निंग' का संचालन करते हैं। इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को सृजन का पाठ पढ़ाने के साथ ही पाठयक्रमों की समझ कराना है। मनीष जैन की मान्यता है कि इंजीनियरिंग पढ़ाने का सबसे रोचक तरीका हाथों से काम करने का है। अनुभव द्वारा सीखी गयी बातें लंबे समय तक साथ देती हैं।

आईआईटी के पूर्व छात्र मनीष जैन की अनोखी कार्यशाला

गांधीनगर गुजरात आईआईटी में स्थापित सीसीएल का अभिनव प्रयास

उक्त कार्यशाला में भागीदारी करने वाले करीब 450 छात्र खिलौने व कहानियों से एकाग्रचित्त होकर सीखते नजर आये। कार्यशाला के तहत सभी छात्रों को तीन गुट में विभाजित किया गया और उन्होंने जेसीबी, आरती करने वाला मैकेनिकल आर्म, स्वचालित मेढ़क, साइन कर्व बनाने वाली गाड़ी आदि सीसीएल पर्यवेक्षकों के निर्देशन में बनाये। शनिवार को छात्रों ने मशीनें बनायीं और रविवार को वे रोचक गणित-विज्ञान आधारित स्ट्रक्चरल खिलौने व मॉडल्स बनायेंगे। इससे पाठयक्रमों की सैद्धांतिक समझ भी बढ़ेगी।मनीष जैन उक्त कार्य करने में आनंद व गौरव का अनुभव करते हैं।

उनका कहना है कि 'दिन भर खेलना व वेतन भी पाना, किस्मत वालों को ही नसीब होता है'। इस काम के पीछे प्रेरणा का श्रेय वे अरविंद गुप्ता को देते हैं, जो आईआईटी कानपुर के ही पूर्व छात्र हैं।